Class - 7
Sub - Higher Hindi
Ch: 10 - कारक

DATE: / /
PAGE NO:

अभ्यास

1. कारक किसे कहते हैं? कारक के भेदों के नाम एवं परसर्ग लिखिए।

> संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

कारक के भेदों के नाम एवं परसर्ग इस प्रकार हैं -

कारक		विभक्ति चिह्न (परसर्ग)
क) कर्ता कारक	–	ने
ख) कर्म कारक	–	को
ग) करण कारक	–	से, के द्वारा, के साथ
घ) संप्रदान कारक	–	के लिए, को
ङ) अपादान कारक	–	से (अलग होना)
च) संबंध कारक	–	का, के, की, रा, रे, री, न, ने, नी
छ) अधिकरण कारक	–	में, पर
ज) संबोधन कारक	–	हे, अरे, अरी, ओ, ए, री आदि।

(ख) छत पर चारपाई रख दो।

(ग) पक्षी डाल पर बैठे हैं।

(घ) विवाहोत्सव जनवरी में होगा।

- अधिकरण कारक के विभक्ति चिह्न हैं–में, पर। अधिकरण कारक क्रिया में अधिकांशत: कहाँ या क लगाकर प्रश्न करने पर उत्तर प्राप्त होता है; जैसे:

  उसे पुरस्कार कब मिला? उत्तर–हिंदी दिवस पर।

  चारपाई कहाँ रखनी है? उत्तर–छत पर।

- कर्ता व कर्म के अतिरिक्त कभी-कभी अधिकरण कारक में भी परसर्ग नहीं लगता।

उदाहरणस्वरूप– घर-घर जाकर उसने माल बेचा।

इस जगह बहुत गंदगी है।

8. संबोधन कारक–संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी को पुकारा जाए या संबोधित किया जाए, उ संबोधन कारक कहते हैं; जैसे:

अरेऽऽऽऽऽ! सुनो तो, तुम कहाँ से आए हो?

हे भगवान! इस बेचारे की रक्षा करना।

- संबोधन कारक के विभक्ति चिह्न हैं–हे, अरे, ओ आदि। इसकी पहचान इसके चिह्न (!) से होती है।

संबोधन शब्दों से पहले कभी-कभी 'अरे', 'अजी' जैसे अव्यय शब्दों का भी प्रयोग होता है।

उदाहरणस्वरूप–अरे राघव! तुम कब आए?

अजी भाईसाहब! ज़रा हमारी भी तो सुनिए।

अभ्यास (Exercise)

1. कारक किसे कहते हैं? कारक के भेदों के नाम एवं परसर्ग लिखिए।

2. कारक के कितने भेद होते हैं?

(क) 2 (ख) 4 (ग) 8 (घ) 10

3. निम्नलिखित रंगीन शब्दों के कारक बताइए:

(क) सुनिधि ट्रेन द्वारा शिलांग जाएगी।

(ख) सैनिको! आगे बढ़ो, दुश्मन का डटकर मुकाबला करो।

(ग) करण सोहन के लिए एक पुस्तक ले आया।

करण कारक
संबोधन कारक
संप्रदान कारक

(ख) मेरी आँखों से आँसू निकलते हैं। आपादान कारक

(ग) शिष्य गुरु को दक्षिणा देता है। संप्रदान कारक

(घ) अध्यापक ने बच्चों को पढ़ाया। कर्ता कारक

(ङ) मुझे कुत्तों से डर लगता है। आपादान कारक

(च) श्रीकृष्ण ने कंस को मारा। कर्म कारक

(छ) श्रुति को घर जाना है। कर्म कारक

(ज) सैनिकों ने युद्ध-भूमि में महाराणा प्रताप की जय-जयकार की। अधिकरण कारक

4. रिक्त स्थानों में कारकों की उचित विभक्तियाँ भरिए :

(क) समय ……का…… सदुपयोग करने वाले ……के…… सामने समय ……की…… कमी ……की…… शिकायत नहीं रहती।

(ख) बुरे कर्म करने वाले ……को…… कष्ट झेलने पड़ते हैं।

(ग) हल्दी घाटी ……के…… मैदान ……में…… राणा प्रताप और अकबर ……की…… सेनाओं ……में…… युद्ध हुआ।

(घ) आजकल ……के…… नेताओं ……पर…… किसी ……को…… भी विश्वास नहीं है।

(ङ) जो मनुष्य अपने चरित्र-निर्माण ……की…… ओर ध्यान देता है, वही जीवन-क्षेत्र ……में…… विजयी बनता है।

(च) 'ब्लैक' फिल्म ……के…… सभी कलाकारों ……ने…… शानदार अभिनय किया।

5. सही विकल्प चुनिए :

(1) इनमें से किसमें अपादान कारक नहीं आता–
(क) डर के भाव में ☐ (ख) शर्म में ☐ (ग) साधन में ☐ (घ) दूरी में ☐

(2) अरे ओ! में कौन-सा कारक है–
(क) संबंध ☐ (ख) संबोधन ☐ (ग) कर्ता ☐ (घ) इनमें से कोई नहीं ☐

(3) इनमें से कौन-सा संबंध कारक का परसर्ग नहीं है–
(क) में ☐ (ख) के ☐ (ग) री ☐ (घ) नी ☐

(4) रिक्त स्थानों में कौन-से परसर्ग होंगे–

आप ..... कल रेशमा ..... घर आना था।

(क) ने-का ☐ (ख) को-के ☐ (ग) ने-के ☐ (घ) को-की ☐

(5) निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकरण कारक का उदाहरण है–

(क) बच्चे छत पर खेल रहे हैं। ☐

(ख) राहुल ने काम कर लिया है। ☐

(ग) मेरी घड़ी दे दो। ☐

(घ) मैं रेल से दिल्ली जाऊँगा। ☐

6. निम्नलिखित वाक्यों में सही के सामने (✓) और गलत के सामने (×) का चिह्न लगाइए :

(क) कारक के दस भेद होते हैं। ☐

(ख) कर्म कारक का विभक्ति-चिह्न 'को' है। ☐

(ग) कभी-कभी कर्ता कारक 'को' विभक्ति के साथ भी आता है। ☐

(घ) संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी को पुकारा जाए, उसे संबंध कारक कहते हैं। ☐

(ङ) 'सरला सुनिधि से लंबी है।' यह अपादान कारक का उदाहरण है। ☐

7. निम्नलिखित कारक तथा विभक्ति-चिह्नों के जोड़े बनाइए :

कारक	विभक्ति-चिह्न
करण	ने
संप्रदान	को
कर्ता	से, के द्वारा
संबंध	के लिए
कर्म	का, के, की
संवोधन	में, पर
अधिकरण	हे!, अरे!